

आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपके आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस तज़गी लाएगा और आपको खुशामिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक्कत होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से जिन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक्कतों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को महेनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार होंगे। आपको अपने प्रिय को खुद के हालात समझाने में दिक्कत महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दूनर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरूरतों को पूरा करने-करते आप कई बार खुद को वाक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वाक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कु,घ,छ,झ,के,को,ह

आपका धन कहाँ खर्च हो रहा है इसपर आपको नज़र बनाए रखने की जरूरत है नहीं तो अपने वाले समय में आपको घरेलानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दूनर के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे नज़र से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी खबर या जीवनसाथी/प्रिय से मिलना कोई संदेश आपके उसहाल को तेज़गा बना देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बीड़ा दूर करने के लिए धौलू कामकाज में हाथ बंटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने को आनंद मिलेगा और जुबान महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा- इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुफ्त लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन्दगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नज़र आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे ज़ेद और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वाक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

जिस लोग ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीचे रिश्ते को मजबूत बनाएगा। मुख्यतः का सफ़र प्यारा, प्यार छोटा होगा। आप लम्बे समय से दूनर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा दिन मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई रहस्य आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की खराब सेहत का अगर आपको काम-काज पर भी परस सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर काबू रखने में दिक्कत महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपके झुंझलाहट पैदा करेगा। शौचिवासी से निज़ाह करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रूप से ज़रूरी है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरूरत है नहीं तो आप वाँस की नज़रों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौब-मसती के लिए सूचना संपादनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक क्वाब से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों सभी को खुश रखेंगे। प्यार के मामले में अगर आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको डरेल्यू के दौरान दिमाग ठण्डा करने और को अस्थिर करने की जरूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ सस्तीपरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,अ,मी,भू,घा,फा,बा,मे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर सुखान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि यह उनसे ज़रई प्रभावित नहीं होगा।/होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटारकर जल्दी पर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी सरोताज़ा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – मो,ज,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रियल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। लोगों के साथ घूमना-फ़िर्तना मजेदार रहेगा। लेकिन ज्यादा पैसे खर्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के बड़प्पे शब्दों के कारण आपका झूठ खराब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफ़िक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साज़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में कामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को महेनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको परेश कर सकते हैं। पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज़ाबों को रख पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 अक्टूबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 01:14 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 04:03 तक
योग : अनुराधा रात्रि 08:38 तक
करण : वणिज दोषहर 12:17 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:53 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:47 (विजयवाड़ा)
शुभ घण्टियाँ
सायं : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
रुप : 10:30 से 12:00
वायु : 03:00 से 04:30
सायं : 04:30 से 06:00
शुक्रवार : 09:00 से 11:30
शिवरात्रि : उम दिना
उषा : तिहुँ छल्ला खाना का अंश करें
दिन विशेष : विश्वक कुतूबी, कुम्भमेला अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:08 से रात्रि 04:03 तक , भद्रा दोषह 12:17 से रात्रि 01:14 तक , झुल नव नव रात्रि 01:25 से

पंचिदश विषय में सम्पर्क करें :

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान ,

भागवत कथा एवं मूल पारायण ,

वास्तुशान्ति, गृहप्रेषण,शतघंडी, विवाह,

कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, पंचांगिष

सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फ़क़ड का मन्दिर, रिकार्गंज,

हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

शुद्ध बुद्धि से ही जीवन को मिलती है सही दिशा : मुनिश्री दीप कुमारजी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद की डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में आयोजित प्रवचन में ‘धी संप्रोहम स्याह’ विषय के माध्यम से शुद्ध बुद्धि, विवेक, आत्मचिंतन और जीवन में सही दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया गया। प्रवचन में बुद्धि की सार्थकता को केवल ज्ञान और तर्क तक सीमित न रखते हुए उसे विचारों की निर्मलता, निर्णयों की विवेकशीलता तथा व्यवहार की शुद्धता से जोड़कर समझाया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री ने आचार्यश्रवर द्वारा निर्धारित आध्यात्मिक अनुष्ठान का प्रयोग करवाया। मंत्रों की पवित्र ध्वनियों से तेरापंथ भवन का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा।

मुनिश्री ने विषय के माध्यम से प्रेरणा देते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में बुद्धि एक महत्वपूर्ण शक्ति है। बुद्धि के बल पर व्यक्ति परिस्थितियों को समझता है, समस्याओं का समाधान खोजता है और अपने भविष्य की दिशा निर्धारित करता है। किंतु बुद्धि का वास्तविक मूल्य तभी प्रकट होता है, जब उसका उपयोग सही दृष्टिकोण और विवेक के साथ किया जाए। केवल अधिक जानकारी प्राप्त कर लेना या तर्क करने में कुशल हो जाना ही बुद्धिमत्ता की पूर्णता नहीं है। जीवन की वास्तविक उपलब्धि तब होती है, जब व्यक्ति अपनी बुद्धि को शुद्ध, संतुलित और सकारात्मक बनाए रखने का प्रयास करता है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में प्रत्येक व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता है। ज्ञान, प्रतिभा, कार्यकुशलता और निर्णय लेने की क्षमता को सफलता के महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। लेकिन जीवन में अनेक परिस्थितियाँ ऐसी आती हैं, जहाँ केवल जानकारी पर्याप्त नहीं होती, बल्कि विवेक की आवश्यकता होती है। व्यक्ति क्या सोचता है, किसी परिस्थिति को किस दृष्टि

से देखता है और उसके आधार पर कैसा निर्णय लेता है, ये सभी बातें उसके जीवन को प्रभावित करती हैं।

शुद्ध बुद्धि व्यक्ति को किसी भी विषय के विभिन्न पक्षों को समझने, जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचने और परिस्थितियों का संतुलित मूल्यांकन करने की प्रेरणा देती है। जब विचारों में स्पष्टता होती है, तब निर्णय अधिक विवेकपूर्ण बनते हैं। इसके विपरीत, जब बुद्धि पर अहंकार, स्वार्थ, क्रोध अथवा पूर्वाग्रह का प्रभाव बढ़ जाता है, तब व्यक्ति कई बार सही बात को जानते हुए भी उसे स्वीकार नहीं कर पाता।

मनुष्य का व्यवहार उसके विचारों से गहराई से जुड़ा होता है। विचारों में कटुता होगी तो वाणी में कठोरता आ सकती है। मन में ईर्ष्या होगी तो दूसरे की सफलता भी अच्छी नहीं लगेगी और अहंकार बढ़ने पर अपनी गलती स्वीकार करना कठिन हो जाएगा। इसलिए जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए केवल बाहरी व्यवहार को बदलना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विचारों के स्तर पर भी जागरूकता आवश्यक है।

शुद्ध बुद्धि का आशय केवल चतुराई से नहीं, बल्कि ऐसी समझ से है, जो व्यक्ति को अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं का निरीक्षण करना सिखाए। जब व्यक्ति अपने भीतर उठने वाले आवेगों को पहचानने लगता है, तब वह प्रत्येक परिस्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय सोच-समझकर उत्तर देने की क्षमता विकसित कर सकता है।

आत्मचिंतन की यह प्रक्रिया व्यक्ति को अपनी कमजोरियों को पहचानने और उनमें सुधार करने का अवसर देती है। अपनी भूल को स्वीकार करना, दूसरे के दृष्टिकोण को समझना तथा आवश्यक होने पर अपने विचारों में परिवर्तन करना भी विवेकपूर्ण जीवन के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

जीवन में व्यक्ति अनेक विषयों का ज्ञान प्राप्त

करता है, दूसरों के अनुभवों से सीखता है और संसार की विभिन्न परिस्थितियों को समझने का प्रयास करता है। लेकिन इन सबके बीच स्वयं को जानने का प्रयास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। व्यक्ति को यह देखना चाहिए कि उसकी सोच किस दिशा में जा रही है, उसके निर्णयों के पीछे कौन-सी भावनाएं काम कर रही हैं और उसका व्यवहार उसके जीवन-मूल्यों के अनुरूप है या नहीं।

आत्मनिरीक्षण व्यक्ति को अपनी कमियों के प्रति सजग बनाता है। जब वह दूसरों का मूल्यांकन करने से पहले स्वयं का मूल्यांकन करना सीखता है, तब उसके भीतर विमर्शता और समझ विकसित होने की संभावना बढ़ती है। इस प्रकार शुद्ध बुद्धि केवल बाहरी परिस्थितियों को समझने का साधन नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रेरणा भी है।

आज सूचना और तकनीक के युग में मनुष्य के पास ज्ञान प्राप्त करने के अनेक साधन हैं। कुछ ही क्षणों में विभिन्न विषयों की जानकारी उपलब्ध हो जाती है। इसके बावजूद सही और गलत, उपयोगी और अनुपयोगी तथा उचित और अनुचित के बीच अंतर कर पाना पहले की तरह ही महत्वपूर्ण है। जानकारी की अधिकता अपने आप निर्णयों की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं करती।

ऐसे समय में ‘धी संप्रोहम स्याह’ जैसा विषय व्यक्ति को अपनी बौद्धिक क्षमता के साथ विवेक और आत्मजागरूकता को भी विकसित करने की प्रेरणा देता है। परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में अनेक मतभेद सामने आते हैं। यदि व्यक्ति प्रत्येक बात को केवल अपने दृष्टिकोण से देखने के बजाय दूसरे पक्ष को भी समझने का प्रयास करे, तो संवाद अधिक सार्थक बन सकता है और संबंधों में संतुलन बनाए रखने में सहायता मिल सकती है।

प्रवचन का केंद्रीय भाव यही रहा कि जीवन की उन्नति केवल बाहरी उपलब्धियों से नहीं मापी जानी चाहिए। व्यक्ति के विचार कितने निर्मल हैं, उनका दृष्टिकोण कितना संतुलित है और वह अपनी बुद्धि का उपयोग किस उद्देश्य से करता है, ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

शुद्ध बुद्धि व्यक्ति को सही दिशा चुनने, अपनी गलतियों से सीखने, भावनाओं के प्रति सजग रहने और जीवन में विवेकपूर्ण निर्णय लेने की प्रेरणा देती है। जब ज्ञान के साथ विमर्शता, प्रतिभा के साथ नैतिकता और बुद्धि के साथ आत्मचिंतन जुड़ता है, तब व्यक्ति की क्षमताएं अधिक सार्थक रूप ले सकती हैं।

पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने एकीकृत विद्यालय भवन निर्माण का किया निरीक्षण

मदनूर, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के जुकल निर्वाचन क्षेत्र के नेता एवं पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने मंगलवार को मदनूर मंडल केंद्र में निर्माणाधीन एकीकृत विद्यालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ठेकेदारों और अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने तथा क्वांटिटी (निर्माण के बाद पानी से तराई) की प्रक्रिया सावधानीपूर्वक और नियमित रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम शुष्क होने के कारण भवन की मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाए और निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

राष्ट्रीय राजमार्ग के संरक्षण में बदलाव की मांग, किसानों का प्रदर्शन

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 63 के संरक्षण से प्रभावित किसानों ने मंगलवार को मंचेरियाल जिला मुख्यालय में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा के सामने संविधान का बैनर लेकर सरकार और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता तुला मधुसूदन राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में संविधान की रक्षा की बात करती है, लेकिन मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के संरक्षण से प्रभावित किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी पर सड़क के संरक्षण में बदलाव के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे किसानों के हित प्रभावित हो रहे हैं। मधुसूदन राव ने बताया कि भाजपा नेताओं और किसानों ने दिल्ली जाकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से मुलाकात की थी। उनके अनुसार, अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि स्थानीय विधायक और सांसद की सफाई पर संरक्षण में बदलाव पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने सांसद गद्दाम वामसी कृष्ण से किसानों के पक्ष में खड़े होकर इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने की मांग की। उन्होंने राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी से भी सरकार पर दबाव बनाने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि किसानों की मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से किसानों के हितों की रक्षा करने और राष्ट्रीय राजमार्ग का संरक्षण बदलने की मांग की।

प्रदर्शन में भाजपा के वरिष्ठ नेता करे लक्शना, गंधा श्रीनिवास, सुरेंद्र चारी, किसान नेता लेगिसेट्टी राजामौली, चेन्ना वेंकटेश, कस्तूरी मल्लेश, बोलिसेट्टी तिरुपति, परमेश, पूर्व मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र सदस्य तिरुपति, दास्या नायक, शंकर, श्रीधर, श्रीनिवास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने सूखी धान की फसल का किया निरीक्षण

बांसवाड़ा, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा नेता येंडाला लक्ष्मीनारायण ने कोनापुर, हमनाजीपेट और कालुनायक थांडा में सूखी धान की फसल का निरीक्षण किया। करीब 200 एकड़ में फसल सूखने से प्रभावित किसानों से मिलकर उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया तथा सरकार से उचित मुआवज़ा दिलाने की मांग की। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर उन्हें सरकारी सहायता दिलाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, किसान मोर्चा जिला महासचिव मोहन रेड्डी, बांसवाड़ा ग्रामीण अध्यक्ष मजिगा श्रीनिवास, पैडीमल लक्ष्मीनारायण, नागराज, साईबाबा, शिवकुमार, लक्ष्मण, दत्त, संजीवुलु, संदीप, सुरेश राठौड़, मोहन सहित अन्य उपस्थित थे।

विधायक धनपाल ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन

इंदूर, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अर्बन विधायक धनपाल सूदनारायण ने नगरीय क्षेत्र के विकास को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने शहर के 50, 7 और 20वें डिवीजन में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में निगम परिषद में प्रत्येक डिवीजन को 20 लाख रुपये आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। इस आधार पर सभी डिवीजनों में विकास कार्यों का भूमि पूजन चल रहा है। अर्बन चैलेंज फंड के लिए कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है। जल्द ही डीपीआर तैयार कर सरकार को सौंपा जाएगा। कुछ डिवीजनों में एक करोड़ रुपये के काम शुरू हो चुके हैं और बाकी शुरू होने वाले हैं।

अमृत-2 योजना के तहत शहर में भूमिगत जल निकासी (यूजीडी) के कार्य जारी हैं। इनकी गति बढ़ाने की जरूरत बताते हुए अधिकारियों के साथ समीक्षा भी की गई। शहर में 9 नए पानी के टैंकों का निर्माण हो रहा है ताकि पानी की कमी न हो। ऐतिहासिक खिड़्वा रामालय के विकास के हिस्से के रूप में रोपवे भी आने वाला है। इसमें मेयर कूरागायला उमरानी सहित संबंधित डिवीजन के कॉरपोरेट मौजूद रहे।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर जन सेवा संघ की महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को छठ पूजा के आयोजन की तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। छठ पूजा संयोजक श्री आर.पी. सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हैदराबाद, तेलंगाना तथा सीमावर्ती जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 30 घाटों पर पूजा आयोजन की तैयारियों, आवश्यक सुविधाओं और संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तार-पूर्वक चर्चा की गई।

जन सेवा संघ के महासचिव श्री सुरेश पंडित द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति

के अनुसार, बैठक में छठ पूजा को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। पूजा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही तेलंगाना सरकार एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आयोजन के लिए आवश्यक सहयोग प्राप्त करने पर भी चर्चा हुई।बैठक में सभी संबंधित क्षेत्रों एवं जनों के प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में छठ पूजा के आयोजन से जुड़ी आवश्यक

तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी जोन प्रभारियों को संबंधित समितियों, नगर निगम के उप-आयुक्तों तथा अन्य अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर आयोजन के लिए जरूरी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत विवरण तैयार करने को कहा गया। आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों को मांग-पत्र प्रस्तुत कर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी कदम उठाने पर चर्चा की गई।बैठक में छठ पूजा के आयोजन के लिए तेलंगाना सरकार और संबंधित विभागों से सहयोग प्राप्त करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न घाटों पर पूजा की

निस्वार्थ अन्नसेवा से ही मजबूत होता है मानवता और संस्कारों का रिश्ता : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावरण में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। सेवा वह पवित्र भावना है, जो मनुष्य को दूसरों के सुख-दुख से जोड़ती है और समाज में प्रेम, करुणा, सहयोग तथा आत्मीयता

का वातावरण निर्मित करती है। सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भूख को भोजन कराना, जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना और किसी असहाय व्यक्ति को सहारा देना ही सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा है।

जीवन में धन, प्रतिष्ठा और उपलब्धियों का अपना महत्व है, लेकिन दूसरों के काम आना और किसी जरूरतमंद की परेशानी कम करना उससे भी अधिक संतोष प्रदान करता है। अन्नसेवा ऐसा पुनीत कार्य है, जिसके माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक प्रेम, सद्भाव और परोपकार का संदेश पहुंचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नसेवा अभियान सेवा, समर्पण और

सहयोग की भावना का प्रतीक है। ग्रुप के सदस्य सामूहिक रूप से इस संकल्प के साथ सेवा कार्यों में जुटे हैं कि कोई भी जरूरतमंद उपेक्षित महसूस न करे। इस प्रकार के प्रयास समाज में संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को भी परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के किया जाए।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी केडिया, भगाराम गोयल, जगन, नंदकिशोर, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं कुंजिका सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सूर्य स्वरूपा गायत्री

वेदमाता गायत्री सूर्य स्वरूपा कही गई हैं। सूर्य ऐसा, जो बाच् ही नहीं, अंतस की भी आलोकित कर देता है।

दूसरे शब्दों में मां गायत्री परमात्मा का ऐसा प्रतीक हैं, जिनकी उपासना से मन में सद्बुद्धि या विवेक की जन्म दिया जा सकता है। यदि मनुष्य यह अनुभूत करने लगे कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, तो सृष्टि का कौन पदार्थ उसके लिए दुर्लभ हो सकता है। इसी कारण गायत्री को 'कामधेनु' या 'कल्पवृक्ष' भी कहा गया है।

ज्ञान की आदि श्रोत होने के कारण ही वे वेदमाता कही गई हैं। उनका कर्मंडल पवित्रता और माला साधना का प्रतीक है। आदि शक्ति मां गायत्री की विविध स्वरूपों में आराधना की जाती है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं—

मां सरस्वती— विद्या और कला की प्रतीक मां सरस्वती को बहमा की पत्नी माना गया है। साथ ही वे संस्कृति की प्रतीक कही जाती हैं। उनके हाथों में वीणा कला से प्राप्त होने वाले असीम आनंद का प्रतीक है।

मां पार्वती : भगवान शिव की अर्द्धांगिनी पार्वती उस तपश्चर्या की प्रतीक हैं, जिसके माध्यम से शिव अर्थात परमात्मा का प्रतीकात्मक साविध्य प्राप्त किया जा सकता है।

मां दुर्गा : आसुरी प्रवृत्तियों के

माता

गायत्री

की

उपासना

मां

सरस्वती

पार्वती,

दुर्गा,

लक्ष्मी

और

काली

आदि

स्वरूपों में की

जाती है। प्रत्येक

स्वरूप में वे हमें कोई

न कोई प्रेरणा प्रदान

करती हैं।

उन्मूलन के लिए विभिन्न देवताओं की शक्तियों के संगम से जन्मी दुर्गा संगठन शक्ति की सुंदर प्रतीक हैं।

मां लक्ष्मी : आदिशक्ति गायत्री का लक्ष्मी स्वरूप परमात्मा के वैभवमय स्वरूप का प्रतीक है। यह स्वरूप देवताओं एवं दैत्यों दोनों को प्राप्त हो

सकता है, शर्व मात्र समुद्र मंथन जैसा कठोर श्रम करने की है।

मां काली : अत्याचार की हर सीमा लांघ जाने के बाद सृजनकारी मां रौद्र रूप धारण कर काली का स्वरूप धारण कर लेती हैं और अन्याय के कटे सिर उनके गले की शोभा बनते हैं। वे अन्याय से संघर्ष करने की प्रेरणा देती हैं। (साभार : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार)



जीवन में संतुलन लाना है श्रीकृष्ण होना

कृष्ण जीवन की भावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएँ हैं, उसी को समझकर हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएँ हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन।

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएँ हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। अष्टमी का आधा चांद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सत्य के प्रकट और अप्रकट पहलुओं के बीच एक पूर्ण संतुलन का द्योतक है, दिखने वाले भौतिक जगत और न दिखने वाले आध्यात्मिक जगत के बीच में। आध्यात्मिक और भौतिक दोनों जगत में श्रीकृष्ण पारंगत थे। अष्टमी पर उनके जन्म होने का यही प्रतीक है। कृष्ण का ज्ञान हमारे समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि न ही वह भौतिक सुखों को बटोरने में आपको खोने देता है और न ही आपको सब कुछ त्यागने देता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मानने का अर्थ है कि अत्यंत विपरीत, लेकिन संगत गुणों को आत्मसात करना और अपने जीवन में उन्हें प्रकट करना।

कृष्ण का अर्थ है हमारा सबसे आकर्षक अस्तित्व या आत्मा। राधे-श्याम अनंत का प्रतिनिधित्व करता है। राधे व्यक्तिगत जीवन और श्याम अनंत लगाकर धूप दीप से उनका पूजन करना चाहिए। इस व्रत की कथा का श्रवण करने से भी विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है।

इंद्रियों पर नियंत्रण के लिए एकादशी व्रत शास्त्रों में कहा गया है— आत्मनं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु। बुद्धि तु सारथि विद्धि येन श्रेयोऽहमाप्स्यनुयाम। अर्थात् आत्मा को रथी जानो, शरीर को रथ और बुद्धि को सारथी मानो। इनके संतुलित व्यवहार से ही श्रेय अर्थात् श्रेष्ठत्व की प्राप्ति होती है।

इसमें इंद्रियों का अश्व तथा मन का लगाम होना भी अंतर्निहित है। ऋषियों ने अन्य मंत्रों में इसका भी जिक्र किया है। इस प्रकार दस इंद्रियों के बाद मन को ग्यारहवीं इंद्रि माना गया है। अतएव इंद्रियों की कुल संख्या एकादश होती है।

एकादशी तिथि को मनःशक्ति का केंद्र चंद्रमा क्षितिज की एकादशवीं कक्षा पर अवस्थित होता है। यदि इस अनुकूल समय में मनोनिग्रह की साधना की जाए तो वह सद्यः फलवती सिद्ध हो सकती है। इसी वैज्ञानिक आशय से एकादशी पर धर्मानुष्ठान और व्रतोपवास का विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो एकादशी व्रत करने का अर्थ है— अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना।

तरह के पापों का नाश करती है।

अचला एकादशी के दिन व्रत से जन्म-जन्मांतर के पाप और कलुषों का नाश होता है। माना जाता है कि माघ में सूर्य के मकर राशि में होने पर प्रयाग स्नान, शिवरात्रि पर काशी में रहकर किया गया व्रत, गया में पिंडदान, वृषभ राशि में गोदावरी स्नान, बद्रीकाश्रम में भगवान केदार के दर्शन या सूर्यग्रहण पर कुरुक्षेत्र में स्नान और दान करने से जो फल मिलता है, वही फल अपरा एकादशी के व्रत से प्राप्त होता है।

इस दिन उपवास करके भगवान के वामन अवतार की पूजा करने से मनुष्य को अपने पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तुलसी, चंदन, कपूर, गंगाजल सहित भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। देश में कहीं-कहीं बलराम-कृष्ण भी पूजा की जाती है। कहते हैं इस एकादशी के फल के बारे में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि अपरा एकादशी पुण्य प्रदाता और बड़े पापों का नाश करने वाली है। इस दिन व्रत करने वाला किसी भी तरह के पाप से मुक्त होकर अंततः विष्णुलोक में प्रतिष्ठा पाता है।

विष्णु पूजन शुभ फलदायी अपरा एकादशी व्रत के दिन पूजा अर्चना का विशेष विधान रहता है। इस व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि से ही हो जाता है। व्रतधारक को दशमी तिथि से ही भोजन और आचार-विचार में संयम रखना चाहिए। एकादशी के दिन प्रातः जल्दी उठकर अन्य किर्याओं से निवृत्त हो स्नान आदि के पश्चात भगवान विष्णु का पूजन किया जाना चाहिए। संस्था समय में भगवान को फल-फूल का भोग



ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है। इस दिन व्रत और पूजन की बड़ी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है।

इस दिन व्रत और पूजन की बड़ी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य,

कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। यह माना जाता है कि यह सभी

मन का सदेह

एक व्यक्ति की घड़ी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिड़की के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। सदेह आँखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घड़ी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कड़ाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घड़ी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपड़ों के साथ अपनी घड़ी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था। व्यक्ति ने खिड़की से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : सदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते हैं।

गुरु साक्षात् परब्रह्म का स्वरूप है



भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के संबंध को अत्यंत पावन और गौरवपूर्ण माना गया है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु साक्षात् परब्रह्म का स्वरूप है। इसलिए हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुःख दूर होते हैं।

गुरु वह ऊर्जावान और ज्ञान का पुंज है जो हमारे भीतर आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करके सत्य से हमारा साक्षात्कार कराता है। गुरु के सानिध्य

हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए।

जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं।

गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुःख दूर होते हैं।

से जीवन की दिशा और दशा, दोनों बदल जाती है। उदाहरणस्वरूप अपनी विलक्षण प्रतिभा और ओजस्वी वाणी के द्वारा भारत की संस्कृति का परचम संपूर्ण विश्व में लहराने वाले स्वामी विवेकानंद को जब गुरु रामकृष्ण परमहंस का वरदहस्त प्राप्त हुआ तब वह नरेंद्रनाथ से स्वामी विवेकानंद के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी प्रकार गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद ने अजरुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के रूप में प्रतिष्ठित किया। वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का निरंतर हास होता जा रहा है। गुरु शिष्य के पवित्र संबंधों पर भी इसका प्रभाव दिखाई पड़ रहा है। समाज में आवश्यकता है, ऐसे गुरुओं की जो दया, क्षमा, सदाचार एत्यादि मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए धैर्य, विवेक और त्याग आदि सदगुणों के माध्यम से

शिष्य को अधिकार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले चलें। इस प्रकार मानव मन में व्याप्त विष रूपी बुराई को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान होता है, परंतु सदुरु बड़े भाग्य से मिलता है। सदुरु की तलाश शिष्य को ही नहीं होती, बल्कि गुरु भी अपने ज्ञान की धरोहर को सुरक्षित हाथों में सौंप कर परमानंद की अनुभूति करता है। शिष्य के समर्पण और श्रद्धा भाव को देखकर उसका अंतर्मन आश्चर्य हो जाता है।

वह शिष्य की कमियों को धैर्यपूर्वक सुधारते हुए उसे दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। सौभाग्यवश ऐसे स्वयंसिद्ध गुरु का संरक्षण यदि किसी को भी प्राप्त हो जाए, तो उसके जीवन में संकट रूपी बादलों के छाने के बावजूद उसका मन कभी विचलित नहीं होता। कल्याण के मार्ग में प्रवृत्त करने वाले ऐसे गुरुजनों को शत-शत नमन।

जीवन हैं। कृष्ण हर जीव की आत्मा हैं और जब व्यक्तित्व में हमारे सच्चिदानंद स्वरूप की चमक दिखने लगती है, तब स्वतः ही जीवन का संपूर्ण संवर्धन होने लगता है। कहा जाता है कि कृष्ण मक्खन चोरी करते थे। इस रूपक का क्या अभिप्राय है। मक्खन एक प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद है। पहले दूध को दही बनाया जाता है और फिर अच्छी तरह से मथकर ही वह दही मक्खन बन जाता है। दूध या दही की तरह जीवन का भी मंथन बहुत सारी घटनाओं, परिस्थितियों और उतार-चढ़ाव द्वारा होता है। अंत में मक्खन बाहर निकलता है। वही आपका संतत्व है। इसका सार यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। आनंदित और केंद्रित रहना चाहिए। जब सब कुछ जीवन में ठीक है, तब एक बड़ी मुस्कान आसान है, परंतु यदि आप प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कुरा सकते हैं, तब समझिए कि आपने जीवन में सच में कुछ पाया है।

कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा कुछ ऐसी ही है। उनका एक पांव पृथ्वी पर मजबूती से जमा हुआ है और दूसरा उठा हुआ है, परंतु संतुलित है। ऐसे ही नृत्य हो सकता है। यह पूर्णतः संतुलित जीवन जीने के सही तरीके को दर्शाता है। जब आप मन में खोये हों तो नृत्य संभव नहीं हो पाता है। साक्षी भाव से मन की अशांति को देखने से ही हम उससे ऊपर उठ सकते हैं। यानी जब भी आप अशांत हों, तो यह सोचने के बजाय कि ऐसा नहीं होना चाहिए था, आप बस समर्पण कर दीजिए।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'ऐसा क्यों है कि इतने सारे लोग मेरे बारे में जानने में सक्षम नहीं हैं। इसका कारण यह है कि वे हमेशा अपने राग और द्वेष के बीच फंसे हुए हैं।' जो व्यक्ति तीव्रता से किसी के लिए राग रखता है या किसी के लिए बहुत ज्यादा द्वेष रखता है, वह मोह के मायाजाल में फंसे जाता है। इस तरह के व्यक्ति को जब जीवन में कोई समस्या आती है, तो उसका मन पूरी तरह से

कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएँ हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है।



समस्या को सुलझाने में उलझ जाता है और वह अपना बहुमूल्य समय चिंता में खो देता है। इसके लिए, भगवान कृष्ण कहते हैं, 'जिनके पुण्य फलित होते हैं, वे अपने दुःख से मुक्त हो जाते हैं और वे मेरी ओर आकर्षित होने लगते हैं। जिनके पाप (बुरे) कर्म अभी शुद्ध नहीं हुए हैं, वे अज्ञान और भ्रम में फंसे रहते हैं।' जब तुम प्रकाश की ओर चलते हो, तो अज्ञान का अंधकार स्वतः ही गायब होना शुरू हो जाता है। लेकिन पाप तुम्हें प्रकाश की ओर बढ़ने नहीं देता। यही दुःख, दर्द और पीडा का कारण बनता है। जब व्यक्ति पूरी तरह से यह जान लेता है कि

वह शरीर नहीं है, शुद्ध चेतना है, तो उसे भरपूर शक्ति मिल जाती है। परमात्मा में विश्वास ही पर्याप्त है। वास्तव में परमात्मा को जानने का यही मूलबल होता है।

कृष्ण सभी संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना मानव और दिव्यता के सभी पहलुओं का पूरी तरह से खिलना है। जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के उस विराट स्वरूप को अपनी चेतना में एक बार फिर सजीव करने के लिए अपने दैनिक जीवन में अपने सच्चे स्वरूप को प्रकट करना ही कृष्ण के जन्म होने का असली रहस्य है।

चार मठ स्थापित कर आदि शंकराचार्य ने फूँके थे सनातन धर्म में प्राण

शंकराचार्य कहा कि परमात्मा एक ही समय में सगुण और निर्गुण दोनों ही स्वरूपों में रहता है। उन्होंने वेदों के ज्ञान को पूरे भारतवर्ष में पहुंचाने का काम किया और इस तरह भारतीय संस्कृति के उत्कर्ष में अहम भूमिका निभाई।

आदिशंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में धार्मिक मठों की स्थापना की। उन्होंने दक्षिण के शृंगेरी में शंकराचार्य पीठ, जगन्नाथपुरी में गोवर्धनपीठ, पश्चिम द्वारका में शारदामठ और बद्रीकाश्रम में ज्योतिपीठ स्थापित किया। ये मठ भारत की एकात्मकता के परिचायक हैं।

इन चारों मठों के लिए उन्होंने शंकराचार्य पद की स्थापना करके अपने चार प्रमुख शिष्यों को यहां आसीन किया।

आदि शंकराचार्य आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए थे, बारह वर्ष की आयु में पहुंचते हुए वे सभी शास्त्रों में पारंगत थे, चौदह वर्ष की उम्र में ब्रह्मसूत्र, गीता, उपनिषद पर भाष्य रचकर अल्पायु में उन्होंने संसार त्याग दिया।

अद्वैत मत के प्रवर्तक शंकराचार्य का दृष्टिकोण समन्वयवादी था। एक तरफ उन्होंने अद्वैत चिंतन को पुनर्जीवित

किया, तो दूसरी तरफ उन्होंने जनसामान्य में प्रचलित मूर्तिपूजा का औचित्य भी सिद्ध करने का प्रयास किया। उनके अद्वैत दर्शन का सार है—

— ब्रह्म और जीव मूल रूप से और तत्त्व रूप से एक ही हैं। हमें इन दोनों के बीच जो अंतर दिखाई देता है वह हमारे अज्ञान की वजह से है।

— जीवन से मुक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है। उसके बिना मुक्ति नहीं। — जीव की मुक्ति ब्रह्म में लीन हो जाने में

की। अद्वैत मत के प्रवर्तक शंकराचार्य का दृष्टिकोण समन्वयवादी था। एक तरफ उन्होंने अद्वैत चिंतन को पुनर्जीवित

भारतीय प्राचीन परंपरा में आदिशंकराचार्य को शिव का अवतार माना जाता है। वे वेदांत के अद्वैत मत के प्रणेता थे। उन्होंने हिन्दू धर्म को फिर से प्राणवान बनाने और देश को एकसूत्र में पिरोने का महती कार्य किया।

ही है। ब्रह्म ही अंतिम सत्य है।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास



वास्तु जिंदगी पर कैसे प्रभाव डालता है। इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

● पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है। यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें। ● शयनकक्ष में बेंड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें।

● घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैऋत्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैऋत्य कोण में लगाएं। ● घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।

● स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें। यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।

सेवा और समर्पण की मिसाल है राधे-राधे ग्रुप : शिवचरण



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में मंगलवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवचरण ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद में सेवा, समर्पण और मानवता का जो भाव देखने को मिलता है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। जरूरतमंदों की सेवा करना और बिना किसी भेदभाव के मानवता के प्रति अपने कर्तव्य

निभाना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि ऐसा संस्कार है, जो मनुष्य को दूसरों के दुख-दर्द को समझने और उनकी सहायता करने की प्रेरणा देता है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं। इस प्रकार के सेवा कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को सहारा मिलता है, बल्कि समाज में परस्पर प्रेम, सद्भाव और

मानवीय संवेदनाओं का भी विस्तार होता है।

शिवचरण ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। जब सेवा का उद्देश्य किसी प्रकार का दिखावा न होकर जरूरतमंदों की सहायता करना होता है, तब वह कार्य समाज के लिए अनुकरणीय बन जाता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। समूह का मूल उद्देश्य सेवा, सहयोग और समर्पण के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा, हरीश तोलाराम हिंदुजा, शिवचरण, उर्मिला एवं शिवेंक सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते हुए मानवता और सामाजिक दायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।



श्री सिखवाल समाज सिकंदराबाद में डांडिया उत्सव की धूम के बीच प्रसाद के लाभार्थी श्री माना जी श्रीकिशन जी उपाध्याय का समाज की ओर से सम्मान करते नटवरलाल व्यास, भगीरथ पांड्या एवं कमल पांड्या।



जीयागुड़ा के केशव स्वामी नगर स्थित दुर्गा माता मंडपम में गायत्री देवी के रूप में पूजा-अर्चना एवं विशेष आरती करते पूर्व कॉर्पोरेट बोहिनी दर्शन, भाजपा नेता मथिरा सत्यनारायण, श्रीनाथ गौड़, मुरली, टीडीपी नेता के. नरसिंह राव एवं अन्य। इस अवसर पर श्रीनाथ गौड़ ने अतिथियों का शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया।

कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स ने रोसा वन ब्रेन न्यूरो रोबोटिक सिस्टम लॉन्च किया



हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स, हैदराबाद ने अत्याधुनिक रोसा वन ब्रेन न्यूरो रोबोटिक सिस्टम और जीई सिग्रा हीरो 3.0टी एडवांस्ड हेड-ओनली चठख सिस्टम को लॉन्च करके उन्नत न्यूरोलॉजिकल देखभाल के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही अस्पताल ने विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में 500 सफल रोबोटिक सर्जरी पूरी होने का जश्न भी मनाया। अस्पताल के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. गुरु एन. रेड्डी ने कहा कि रोसा वन ब्रेन सिस्टम और एआई-संचालित 3.0टी एमआरआई तकनीक से मस्तिष्क की बीमारियों, जैसे कि मिर्गी, पार्किंसंस, ब्रेन ट्यूमर और डिमेंशिया के सटीक निदान और कम से कम आक्रामक (मिनिमली इनवेसिव) सर्जरी में मदद मिलेगी।

न्यूरोसर्जन डॉ. हृषिकेश सरकार और डॉ. शिवानन्द रेड्डी के अनुसार, यह रोबोटिक प्रणाली मस्तिष्क के लिए जीपीएस की तरह काम करती है, जिससे जटिल सर्जरी का समय और मरीज के ठीक होने की अवधि काफी कम हो सकती है। वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. के. सुधीर ने बताया कि 3.0टी एमआरआई तकनीक उच्च-गुणवत्ता वाली छवियां प्रदान करती है, जिससे न्यूरोलॉजिकल स्थितियों की सटीक समझ और बेहतर उपचार योजना बनाने में मदद मिलती है।

बीजाम का ‘द जर्नी ऑफ अ ग्रेन’ कला अभियान: छात्रों को आमंत्रण



हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की सबसे बड़ी चावल मिलिंग कंपनी वज्रतेज राइस क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड ने अपने आगामी उपभोक्ता ब्रांड बीजाम के लॉन्च से पहले राज्यव्यापी छात्र कला अभियान द जर्नी ऑफ अ ग्रेन के अंतिम पखवाड़े की घोषणा की।

यह अभियान कक्षा 6 से 12 तक के सरकारी और निजी स्कूलों के छात्रों को धान की खेती के सात चरणोंबीज बोना, रोपाई, निराई, सिंचाई, कटाई, गहाई और सुखाना-भंडारणको कला और किसानों व बुजुर्गों से बातचीत के जरिए चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्र इनमें से किसी एक चरण को A3 सफेद शीट पर हाथ से पेंट करेंगे। भागीदारी मुफ्त है।

पात्र प्रविष्टियों पर सर्टिफिकेट मिलेगा। प्रथम पुरस्कार 20,000 रुपये, द्वितीय 10,000 रुपये और तृतीय 8,000 रुपये का है। सर्वश्रेष्ठ 100 कलाकृतियों का प्रदर्शन नवंबर 2026 में हैदराबाद में बीजाम लॉन्च कार्यक्रम में होगा।

प्रविष्टियां 31 अक्टूबर 2026 तक स्वीकार की जाएंगी। पंजीकरण registration.beejam.co.in पर मुफ्त करें और कलाकृति हैदराबाद पते पर भेजें।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन की महिला समिति ने मनाया बतुकम्मा उत्सव

76 महिला सदस्यों ने लिया भाग, पारंपरिक नृत्य और भजनों से सजा कार्यक्रम

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन, प्रभाग-9 की महिला समिति की ओर से नवरात्रि के दूसरे दिन बथुकम्मा उत्सव श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती बंदना राठी के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर बिकाराबाद स्थित कौशल विकास केंद्र की शिक्षिकाओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी संगम की 76 महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केंद्र की शिक्षिका लक्ष्मी मैडम ने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक बथुकम्मा उत्सव के महत्व, इसकी परंपराओं तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बथुकम्मा उत्सव महिलाओं की एकता, प्रकृति के प्रति सम्मान और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण अवसर है।



उत्सव के दौरान महिलाओं ने रंग-बिरंगे फूलों से सजे बथुकम्मा के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों का आनंद लिया। माता रानी के भजन गाए गए तथा सभी महिलाओं ने मिलकर बथुकम्मा और गरबा नृत्य में भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में भक्ति, उत्साह और आपसी सौहार्द का सुंदर वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती आशा डागा, शोभना भट्टा, सुमित्रा बंद, प्रभा मालपानी, प्रमिला, रश्मि सोमानी, सुमन

बोहरा सहित सभी महिला सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

इस आयोजन ने महिलाओं के बीच आपसी जुड़ाव, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण में हुआ। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन, प्रभाग-9 की महिला समिति ने इस आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और तेलंगाना की पारंपरिक विरासत को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास किया।

देश का पहला गोकुल ग्राम बनेगा गो-आधारित अर्थव्यवस्था का मॉडल

जयपुर, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गो-सेवा, गो-आधारित कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से राजस्थान के जयपुर जिले के बहराना बीचून स्थित ‘रुद्र डेयरी फार्म’ में देश का पहला गोकुल ग्राम मॉडल आकार ले रहा है। राजधानी जयपुर स्थित राजस्थान शासन सचिवालय अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा ने इस फार्म का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने रुद्र शिवम लाइव स्टॉक्स एसोसिएशन के निदेशक एवं सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा तथा देवरहा बाबा गो सेवा परिवार के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं गोपालन विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व निदेशक डॉ. लाल सिंह के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गो-संवर्धन, गो-आधारित औषधालयों और अनुसंधान को बढ़ावा देने वाली ऐसी परियोजनाओं का सरकार के सहयोग से प्रत्येक तहसील और जिला स्तर तक विस्तार किया जाना चाहिए। ईश्वरीय सत्ता से विभूषित परमात्मस्वरूप विश्वविख्यात आध्यात्मिक संत पूज्य गुरुदेवश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी की प्रेरणा से विकसित किए जा रहे इस मॉडल में एक ही परिसर में देवालय,



विद्यालय, चिकित्सालय, गो-सेवा केंद्र, कृषि आधारित उद्योग और आवासीय योजनाएं शामिल होंगी। इसका उद्देश्य गो-सेवा, कृषि और ग्रामीण विकास को एकीकृत व्यवस्था के रूप में आगे बढ़ाना है। परियोजना के संबंध में संजय शर्मा ने बताया कि योजना के अनुसार, 10 हजार गायों वाले प्रत्येक ब्लॉक के गोकुल ग्राम की अर्थव्यवस्था लगभग 100 करोड़ रुपये की होगी। इसे स्वावलंबी आर्थिक मॉडल के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें गो-पालन, कृषि और उनसे जुड़े उद्योगों को प्रमुख स्थान दिया जाएगा। इस पायलट मॉडल को आधार बनाकर वर्ष 2047 तक देशभर के 10 हजार ब्लॉकों में गोकुल ग्राम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के माध्यम से गो-संवर्धन, गो-आधारित कृषि, अनुसंधान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लड़ाख पर...

इन इलाकों में भारतीय सैनिक गश्त भी करते हैं। मई 2020 में पूर्वी लड़ाख में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद गंभीर हो गया था। 5 मई को पैंगोंग झील के पास दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इसके बाद सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता गया। जून 2020 में गलवान घाटी में भी दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक संघर्ष हुआ। इसके बाद दोनों देशों ने सीमा पर तनाव कम करने और सैनिकों को पीछे हटाने के लिए सैन्य एवं कूटनीतिक स्तर पर बातचीत शुरू की। सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया वर्ष 2022 में भी आगे बढ़ी। 28 स्थानों में पहाड़, दर्रे, ग्लेशियर और जल स्रोत शामिल भारत की ओर से निर्धारित 28 नामों में पहाड़, चोटियां, दर्रे, ग्लेशियर, जमीन के हिस्से, घाटियां और जल स्रोत शामिल हैं। इनका विवरण इस प्रकार है। पहाड़ और चोटियां: अतीशा गिरि, कनीष्क पीक, करुण पीर पर्वत, मार्तंड गिरि, द्रक कापों, जोलमोरी, रिन्चेन जांगपो, साक्यश्री गिरि, मारपा लोत्सावारी, मिलारेपा कांग्री, शिव री, जोरावर पीक और महेश्वरी। दर्रे और ग्लेशियर: चापचिंगल दर्रा, शाचमिरिक दर्रा, पारपिक ग्लेशियर और स्कामरी ग्लेशियर। जमीन के इलाके: ब्रांगसा, कुकसेल, देहरा कम्पास, गोगरा, कुमाराखण पॉइंट, पंगलुंग और शमाल लुंगपा। घाटियां और जल स्रोत: र्कोर्गा घाटी, गुरु रिनपोछे झील, यांगपा नदी और हॉट स्प्रिंग। इन स्थानों के नाम निर्धारित कर सरकारी नक्शों में शामिल करने का उद्देश्य उनकी सही पहचान और आधिकारिक अभिलेखों में स्पष्ट उल्लेख सुनिश्चित करना है। गलवान संघर्ष में भारत के 20 सैनिक हुए थे शहीद जून 2020 में लड़ाख की गलवान घाटी में सीमा विवाद को लेकर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। भारत के अनुसार, 6 जून को दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमति बनी थी, लेकिन 15 जून की रात फिर टकराव हो गया। इस दौरान सैनिकों के बीच पत्थरों और डंडों से संघर्ष हुआ। इस हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने फरवरी 2021 में अपने चार सैनिकों की मौत की बात स्वीकार की थी। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया तथा सीमा पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी गई। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भी लंबे समय से विवाद भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद जारी है। चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर अपना दावा करता है और उसे ‘जांगनान’ यानी दक्षिणी तिब्बत कहता है।

इसी दावे के तहत चीन वर्ष 2017 से कई बार अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के चीनी नामों की सूची जारी कर चुका है। वर्ष 2023 में चीन ने 11 और वर्ष 2024 में करीब 30 स्थानों के नाम जारी किए थे। भारत ने इन कदमों का लगातार विरोध किया है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश उसका अभिन्न हिस्सा है और चीन की ओर से नाम बदलने से जमीन पर वास्तविक स्थिति नहीं बदल सकती। भारत की दृष्टि में यह केवल स्थानों के नामों का मामला नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र पर चीन के दावों से जुड़ा व्यापक सीमा विवाद है।

शाह का...

शाह ने कहा कि गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन हर सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पिछले 41 वर्षों से गुजरात में कोई चुनाव नहीं जीत पाई है और उसने आखिरी चुनाव वर्ष 1985 में जीता था। त्रिपुरा के ग्राम समिति चुनावों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि एनडीए ने करीब 77.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस 4,600 सीटों में से केवल 14 सीटें ही जीत सकी। चुनाव परिणामों को लेकर मशीनों पर सवाल उठाने वालों पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि जिन चुनावों को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं, वे मतपत्रों के माध्यम से कराए गए थे। उनके अनुसार, इससे भाजपा की जीत के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को जिम्मेदार ठहराने का तर्क खारिज होता है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में पिछले 33 वर्षों से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है। पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी कांग्रेस लंबे समय से चुनाव नहीं जीत रही है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इन चुनावी नतीजों को भी एसआईआर से जोड़कर देखा जाएगा?

बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के उपचुनावों का जिक्र

अमित शाह ने हाल में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए उपचुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस इनमें एक भी सीट नहीं जीत सकी। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के नाअ-गेवांव में भाजपा उम्मीदवार ने 1.42 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की, जबकि नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार 1.22 लाख वोटों से विजयी हुए।

राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का दावा

राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा ने 90 प्रतिशत नगर निगमों, 66 प्रतिशत नगर परिषदों और 65 प्रतिशत नगरपालिकाओं में जीत हासिल की। उन्होंने इन परिणामों को भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन का प्रमाण बताते हुए विपक्ष के चुनावी प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

शाह के बयानों को एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष के आंदोलन के बीच केंद्र सरकार की ओर से राजनीतिक जवाब के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने अपने वक्तव्य में विभिन्न

राज्यों के चुनावी नतीजों का हवाला देते हुए कांग्रेस की चुनावी रणनीति और राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए।

आंदोलन...

श्री गांधी ने आरोप लगाया कि संबंधित लोगों को समझना चाहिए कि अब उनके चारों ओर शिकंजा कस रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान को नष्ट करके वे बच नहीं सकते। श्री गांधी ने कहा कि सोमवार को दिल्ली में लोगों ने केवल राजनीतिक दलों को एकजुट होकर खड़े होते हुए नहीं देखा, बल्कि यह भारत की जनता की आवाज थी। उन्होंने दिल्ली और देश के लोगों का समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह लड़ाई विपक्षी दलों के बारे में नहीं, बल्कि भारत की जनता और उसके भविष्य के बारे में है।

जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाने का संकल्प

श्री गांधी ने कहा कि जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए वे अंत तक लड़ेंगे और इस मामले में जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री मोदी, श्री शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और छिपी बैठी एक महिला सहित कई अन्य लोग इसमें शामिल हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय और देश की न्यायिक व्यवस्था के प्रति पूरा सम्मान व्यक्त करते हुए श्री गांधी ने कहा कि इस मामले में न्यायापालिका की अहम भूमिका है और उन्हें उम्मीद है कि वह अपनी भूमिका निभाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंडिया गठबंधन के सभी दल इस उद्देश्य के लिए अपना संघर्ष जारी रखेंगे। श्री गांधी ने कहा कि इस लड़ाई में चाहे कोई भी परिस्थिति बने और कोई संस्था अपनी भूमिका निभाए या नहीं, उनका राजनीतिक प्रतिरोध और जनता का प्रतिरोध जारी रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि अंततः इस संघर्ष की जीत होगी।

मुरुगन का...

जिसमें जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मुरुगन के मुताबिक, वह कॉलेज के दिनों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े थे। करीब तीन दशक तक एबीवीपी और भाजपा में काम करते हुए उनका मूल सिद्धांत रहा हैराष्ट्र पहले, पार्टी दूसरे और स्वयं सबसे आखिर में।

दो बार राज्यसभा सदस्य रहे मुरुगन

डॉ. एल. मुरुगन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं। वह दो बार राज्यसभा के सदस्य बने और पिछले पांच वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी की मंत्रिपरिषद में शामिल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सूचना एवं प्रसारण, संसदीय कार्य, मत्स्य पालन और पशुपालन से जुड़े मंत्रालयों में जिम्मेदारियां संभालीं।

अपने पत्र में मुरुगन ने तमिलनाडु के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने चेन्नई मेट्रो, तूतीकोरिन बदरगाह के विस्तार, राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अमृत भारत

स्टेशन योजना के तहत 26 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से जुड़े मुद्दों, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा और भारतीय मछुआरों के कल्याण से जुड़े मामलों में प्रधानमंत्री ने हमेशा सहायता की है।

गांव-गांव जाकर संगठन मजबूत करने की तैयारी

मुरुगन ने पत्र में कहा कि अब वह तमिलनाडु में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच रहकर संगठन को मजबूत करना चाहते हैं। वह हर गांव और हर गली में जाकर लोगों से मिलना चाहते हैं। उनका लक्ष्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहना और राज्य के हर हिस्से में भाजपा की मौजूदगी बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास’ के संदेश को लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, ताकि हर परिवार विकसित भारत की यात्रा में अपनी भागीदारी महसूस कर सके।

मुरुगन ने प्रधानमंत्री को भरोसा दिलाया कि वह 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। उन्होंने तमिलनाडु से भाजपा को अधिक सीटें दिलाने और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पार्टी को एक और कार्यकाल दिलाने में योगदान देने की इच्छा जताई। पत्र के अंत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक दिहाड़ी मजदूर के बेटे पर जो भरोसा जताया, वह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहेगा। अब वह जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच लगातार काम करके उस भरोसे को सार्थक करना चाहते हैं।

यूपीआई शुल्क...

कारोबारियों का कहना था कि इस व्यवस्था से छोटे व्यापारियों को अधिक नुकसान हो सकता है। मचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) वह शुल्क है, जो व्यापारी या दुकानदार डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड अथवा डिजिटल भुगतान की सुविधा का इस्तेमाल करने के बदले बैंक और भुगतान सेवा प्रदाताओं को देता है। यह शुल्क पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन या भुगतान गेटवे जैसी सुविधाओं के उपयोग पर लिया जाता है। इस शुल्क का उद्देश्य डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे और लेनदेन नेटवर्क को संचालित करने की लागत की भरपाई करना है। सामान्य तौर पर यह शुल्क व्यापारी को देना होता है, ग्राहक को नहीं। हालांकि, किसी विशेष यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लागू होने या उससे छूट मिलने की स्थिति संबंधित नियमों पर निर्भर करती है।

संख्या में कम, लेकिन लेनदेन की रकम में बड़ा हिस्सा

दुकानदारों को होने वाले कुल यूपीआई भुगतानों में 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन संख्या के लिहाज से 5 प्रतिशत से भी कम बताए जाते हैं। हालांकि, कुल लेनदेन राशि में इनकी हिस्सेदारी काफी अधिक है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल यूपीआई भुगतान मूल्य का लगभग 67 प्रतिशत हिस्सा इन बड़े भुगतानों से आता है। यह राशि हर महीने करीब 6 लाख करोड़ रुपये बैठती है, जो देशभर में होने वाले कुल यूपीआई लेनदेन के मूल्य का लगभग 20 प्रतिशत है। यानी बड़े लेनदेन संख्या में भले ही कम हों, लेकिन बाजार में लेनदेन होने वाली कुल रकम में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की छमाही परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग आयोजित



हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त हुई पहली छमाही के लिए अपनी शाखाओं के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक दिन की परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग आयोजित की। मीटिंग की अध्यक्षता बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड ने की और इसमें बैंक के वाइस-चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

हनुमानदास राठी, जनरल मैनेजर कमल किशोर राठी, हेड ऑफिस के अन्य अधिकारी और विभाग प्रमुख, तथा सभी शाखा प्रबंधक शामिल हुए। मीटिंग की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दिन के एजेंडे में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के रिटायर्ड जनरल मैनेजर सत्यनारायण द्वारा एसेट इंश्योरेंस (संपत्ति बीमा) पर विशेष ट्रेनिंग सेशन भी शामिल था। उन्होंने बैंक की संपत्तियों की सुरक्षा, वित्तीय

जोखिमों को कम करने, बिजनेस की निरंतरता सुनिश्चित करने और बैंकिंग कामकाज में जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को मजबूत करने में पर्याप्त संपत्ति बीमा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य प्रवीण बहेती ने साइबर सिक्योरिटी और मोबाइल बैंकिंग पर एक सेशन लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को उभरते साइबर खतरों और सुरक्षा कमजोरियों के बारे में जागरूक किया। साथ ही, उन्होंने डिजिटल पर्सनल

डेटा प्रोटेक्शन (ऊड़ऊड़) एक्ट, डिजिटल ओरेस्ट की अवधारणा और अन्य प्रचलित साइबर धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बैंकिंग इंडस्ट्री पर इनके असर, जरूरी सुरक्षा उपायों, रेगुलेटरी नियमों के पालन और सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को बढ़ावा देने व बैंकिंग कर्मचारियों के बीच साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए क्या करें और क्या न करें (ऊँफी एपव ऊपफीं) पर भी प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए, चेयरमैन ने वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के दौरान 10% से अधिक की शानदार बिजनेस ग्रोथ हासिल करने के लिए टीम की सराहना की। उन्होंने बैंक की विकास की गति को बनाए रखने और अपने पिछले प्रदर्शन के अनुरूप और भी बेहतर परिणाम हासिल करने की क्षमता पर भरोसा जताया। अपने संबोधन में, वाइस-चेयरमैन ने ऊँचे बिजनेस टारगेट हासिल करने के लिए मिलकर कोशिश करने, टीमवर्क और एक साझा कमिटमेंट के महत्व पर जोर दिया। चेयरमैन ने सभी ब्रांच के परफॉर्मेंस की पूरी समीक्षा की। समीक्षा सत्रों के दौरान, चेयरमैन, वाइस-चेयरमैन, एमडी और सीईओ और जनरल मैनेजर ने ब्रांच मैनेजर्स को बहुमूल्य मार्गदर्शन, काम के सुझाव और प्रेरणादायक बातें बताईं, ताकि वे ब्रांच के परफॉर्मेंस को और बेहतर बना सकें और



बैंक की लगातार ग्रोथ और तरक्की में योगदान दे सकें। दिन की बैठक का समापन सभी ब्रांच मैनेजर्स के इस कमिटमेंट के साथ हुआ कि वे सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करके और आने वाले कासा और लोन कैपेन में मनचाहे नतीजे लाकर उन्हें दिए गए सभी टारगेट पूरे करेंगे। एपी महेश बैंक 1978 से देश की सेवा कर रहा है और इसका 4 राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र - में 45 ब्रांच का मजबूत नेटवर्क है।

सेवा का भाव ही राधे-राधे ग्रुप की मूल प्रेरणा : जगत नारायण अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा का भाव ही राधे-राधे ग्रुप की मूल प्रेरणा है। जरूरतमंदों की सेवा करना, भूखों को भोजन कराना और समाज में मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखना ही ग्रुप का प्रमुख उद्देश्य है। जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक ऐसा

संस्कार है, जो मनुष्य को दूसरों के दुख-दर्द को समझने और उनके जीवन में खुशियां बांटने की प्रेरणा देता है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है। जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तब सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा, समर्पण और सहयोग के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। ग्रुप का उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति में सेवा की भावना जागृत करना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना है। अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध

कराने के साथ-साथ समाज में प्रेम, करुणा, सद्भाव और आपसी सहयोग का संदेश भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्चा धर्म है। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। सेवा के लिए बड़े संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण मन में समर्पण और दूसरों के प्रति संवेदना का भाव होना है। यदि प्रत्येक व्यक्ति जरूरतमंदों की सहायता का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला या असहाय महसूस नहीं करेगा। जगत नारायण अग्रवाल ने सभी सदस्यों से आह्वान किया कि वे इसी सेवाभाव के साथ समाजहित के कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते रहें और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा और संस्कारों के माध्यम से मानवता की भावना को मजबूत करने के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में जगत भैया, अनिल धरशुवाले, शिव भगवान, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, जगन गुप्ता, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राम मंदिर में माता के भजन एवं सुंदरकांड का आयोजन



हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल स्थित राम मंदिर में माता के भजनों एवं सुंदरकांड का भक्तिमय आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'गाना हंस के बहने' और 'हो रही जय-जयकार मां के मंदिर में' सहित विभिन्न भजन गाए गए। श्रद्धालुओं ने माता की साड़ी एवं सुहाग सामग्री

अर्पित कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में महिलाओं को साड़ियों का वितरण किया गया तथा भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर रचना, ज्योति, साक्षी, कविता, सरिता, आस्था, रिकल, शिल्पी, पुष्पा, पूनम, पूजा, मंजु, कमलेश, गीता, भावना, रुचि, प्रति सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।



अत्तापुर के पांडुरंग नगर स्थित करणी माता मंदिर में चंद्रलाल सोमाणी, भगवान दास तोषनीवाल, मधुर सोमाणी, गोवर्धन सारडा, कमलाबाई तोषनीवाल, दुर्गा सोमाणी, स्वाति सोमाणी, निर्मला सोमाणी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने करणी माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बीके श्रीनिवास शास्त्री ने पल्मोनरी हाइपरटेंशन पर दिया विशेष व्याख्यान



हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और तेलंगाना फेडरेशन ऑफ मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रामका श्रीनिवास एवं डॉ. रामका शशिधर के पिता स्वर्गीय डॉ. रामका लक्ष्मण मूर्ति की स्मृति में आईएमए, कोटी में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात हृदय रोग

विशेषज्ञ डॉ. बी. के. श्रीनिवास शास्त्री ने पल्मोनरी हाइपरटेंशन (फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप) विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बीमारी से जुड़ी जटिलताओं, उपलब्ध उपचार विकल्पों, बचाव के उपायों और मरीजों के उपचार के दौरान चिकित्सकों द्वारा अपनाए जाने वाले उचित चिकित्सकीय दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिक रोबोटिक उपचार तकनीकों में हो रही

प्रगति तथा चिकित्सा क्षेत्र में उनके उपयोग के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में हैदराबाद, सिकंदराबाद और वाराणसी के अनेक चिकित्सकों के साथ सुप्रसिद्ध वक्ता मांडियल्ली दक्षिणामूर्ति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल कई चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. रामका लक्ष्मण मूर्ति के पूर्व विद्यार्थी थे। वे अपने गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए। व्याख्यान के उपरांत आयोजक संस्था की ओर से डॉ. बी. के. श्रीनिवास शास्त्री एवं उनकी पत्नी तथा डॉ. रामका श्रीनिवास को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच पल्मोनरी हाइपरटेंशन से संबंधित नवीनतम जानकारी के आदान-प्रदान और आधुनिक उपचार पद्धतियों में हो रहे विकास पर चर्चा करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।



मंगलवार दि. 13 अक्टूबर को ऋषि श्रृंग भवन में भीलवाड़ा से हैदराबाद पधारे विख्यात भागवताचार्य श्री सूर्यप्रकाश पांडिया का सिखवाल प्रगति समाज द्वारा शॉल एवं माला द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। अवसर पर बृजेश तिवारी, रामदेव नागला, चंद्रभारत व्यास, रामेश्वरलाल जोशी, प्रभुदयाल पांडिया, रूपचंद व्यास, नंदकिशोर उपाध्याय, मिश्रीलाल पांडिया, श्रीनिवास तिवारी एवं अमरावती से पधारे बाबुलाल उपाध्याय, पवन व्यास एवं आत्माराम उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

54वें रामायण मेले में कवि सम्मेलन संपन्न कवियों ने काव्य पाठ से बांधा समां

हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का आह्वान, कवियों को स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी समिति द्वारा आयोजित 54वें रामायण मेले के अंतर्गत 11 अक्टूबर 2024 की रात्रि को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञापि के अनुसार, रात्रि 9 बजे वेणुगोपाल भट्टजी की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डॉ. मोहन गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कवि सम्मेलन के अवसर पर गोविंद नारायण राठी, गिरधारी लाल डागा एवं मनोज जायसवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. मोहन गुप्ता, सम्मेलन के अध्यक्ष वेणुगोपाल भट्टजी तथा कार्यक्रम के संचालक रामकृष्ण पांडे को शाल पहनाकर सम्मानित किया। वहीं, भाजपा नेता मेघा रानी अग्रवाल का स्वागत कवि सम्मेलन की संयोजिकाओं रूबी मिश्रा एवं सविता सोनी ने किया। इस अवसर पर गोविंद नारायण राठी ने कहा कि जब तक रामायण मेला चलता रहेगा, तब तक कवि सम्मेलन का आयोजन भी जारी रहेगा। उन्होंने हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने तथा उसके प्रचार-प्रसार के लिए सभी से सक्रिय भूमिका निभाने का



आह्वान किया। कवि सम्मेलन के अध्यक्ष वेणुगोपाल भट्टजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे पिछले 53 वर्षों से आयोजित हो रहे इस कवि सम्मेलन में भाग लेते आ रहे हैं और उन्हें इसमें शामिल होकर अत्यंत प्रसन्नता होती है। उन्होंने इस आयोजन को हिंदी साहित्य एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। मुख्य अतिथि डॉ. मोहन गुप्ता ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा रामायण पर आधारित कवि सम्मेलन आयोजित किए जाने

की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहने की प्रेरणा दी। कवि सम्मेलन में पुष्पा वर्मा, रेखा देवी शर्मा, कलावती जाजू, चंपालाल वेद, सीताराम माने, ज्योति नारायण, उमा देवी सोनी, अंजनी कुमार गोयल, राजकुमार यादव, दीपक चंडालिया, पुरुष-तेजम कडेल, वर्षा शर्मा, बलवीर सिंह, विद्या श्रीमाली, सविता सोनी, रामनिवास पाराशर, तोरेश भट्टजी, रूबी मिश्रा, गोविंद नारायण राठी, नंद गोपाल भट्टजी, वेणुगोपाल भट्टजी एवं रामकृष्ण पांडे ने अपनी-अपनी काव्य

रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों से जुड़े भावों को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में मेला संयोजक गोविंद नारायण राठी, मनोज जायसवाल, गिरधारी लाल डागा एवं सुमित राठी ने सभी कवियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कलावती जाजू, शकुंतला नावंदर, कमला राठी, अंजना अटल, जुगल किशोर सोनी, पुष्पा वर्मा, पवन मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिंगरेनी कर्मचारियों को मुनाफे का 34 प्रतिशत हिस्सा, ठेका श्रमिकों को 5,500 रुपये बोनस

उपमुख्यमंत्री भट्टी की घोषणा, लंबित विरासत नौकरियों के मामलों को 15 दिनों में आगे बढ़ाने का आश्वासन

पेदापल्ली, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी के कर्मचारियों के लिए मुनाफे में 34 प्रतिशत हिस्सेदारी देने तथा ठेका श्रमिकों को 5,500 रुपये बोनस देने की घोषणा की है। इसके साथ ही लंबे समय से लंबित विरासत नौकरियों के मामलों के समाधान की दिशा में 15 दिनों के भीतर कदम उठाने की बात कही गई है। तेलंगाना के प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में आयोजित मीडिया सम्मेलन में जिला मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, सिंगरेनी क्षेत्र के विधायक, सिंगरेनी प्रबंधन के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के सचिव एवं पेदापल्ली के विधायक चिंताकुटा विजयरामन राव उपस्थित थे।

मीडिया सम्मेलन में बताया गया



कि सिंगरेनी कंपनी द्वारा अर्जित कुल 1,754 करोड़ रुपये के मुनाफे में से कर्मचारियों को 34 प्रतिशत हिस्सा देने की घोषणा की गई है। सरकार का कहना है कि कंपनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों को मुनाफे में हिस्सेदारी देने से उनकी मेहनत को सम्मान मिलेगा और उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

सरकार ने सिंगरेनी में कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए भी 5,500

रुपये बोनस देने की घोषणा की। सरकार के अनुसार, कंपनी के विकास में नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ ठेका श्रमिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए उनके कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। बताया गया कि प्रत्येक कर्मचारी को औसतन 1,53,912 रुपये मिलने का अनुमान है। इसके अलावा 1,10,250 रुपये दशहरा बोनस देने की घोषणा का भी उल्लेख किया गया।

सरकार ने सिंगरेनी श्रमिकों के घर के सपने को पूरा करने की दिशा में भी पहल करने की घोषणा की है। सरकार के अनुसार, श्रमिकों और उनके परिवारों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कल्याणकारी उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी। कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ उनके आवास से जुड़ी जरूरतों पर भी ध्यान देने की बात कही गई है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सिंगरेनी में लंबे समय से लंबित विरासत नौकरियों के मामलों को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि सर्कटता जांच और लंबित मामलों के कारण नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे श्रमिकों के बच्चों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुफ्त टी20 टिकटों की कालाबाजारी : पिता-पुत्र सहित चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर पुलिस ने भारत-वेस्टइंडीज टी20 मैच से पहले 'नॉट फॉर सेल' अंकित मुफ्त टिकटों को व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए महंगे दामों पर बेचने के आरोप में पिता-पुत्र समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अप्पल स्टेडियम में बुधवार को होने वाले मैच के 11 क्रिकेट टिकट जब्त किए गए।

गोशा महल पुलिस को बेगम बाजार स्थित एसडी मॉल के पास मुफ्त टिकटों की अवैध बिक्री की सूचना मिली। पुलिस ने आठ दांडिया पास, मोबाइल फोन, 5,000 रुपये नकद और एक टू-व्हीलर भी जब्त किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्कषित श्रीवास्तव, उनके पिता सतीश चंद्र श्रीवास्तव, अविनाश दारक और मोहित सोमानी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार अर्कषित ने अप्पल क्रिकेट स्टेडियम में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य अपने पिता से मुफ्त टिकट प्राप्त कर दारक को सप्लाई किए। दारक ने अपने जीजा सोमानी की मदद से व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर टिकटों की बिक्री का विज्ञापन किया और संभावित खरीदारों से संपर्क कर महंगे दामों पर बेचा।



12 अक्टूबर को एसआई वी. जनार्दन नायक और कांस्टेबल जी. साई कुमार गश्त पर थे। विश्वसनीय सूचना पर एसडी मॉल पहुंचे पुलिस ने दारक और सोमानी को रंगे हाथों पकड़ा। उनके पास 'नॉट फॉर सेल' अंकित 11 क्रिकेट टिकट, आठ दांडिया पास, नकदी, मोबाइल और सुजुकी एक्ससे स्कूटर (टीएस 11 ईएच 3234) मिला। जांच में टिकट सप्लाई का लिंक अर्कषित और उनके पिता तक पहुंचा, जिसके बाद 13 अक्टूबर को सभी चारों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने भारत-वेस्टइंडीज चौथे टी20 के

11 टिकट, नमधारी गौरव नवरात्रि उत्सव के आठ पास, 5,000 रुपये नकद, स्कूटर और सैमसंग, वनप्लस व आईफोन 13 प्रो मैक्स सहित कई मोबाइल जब्त किए।

गोशा महल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 112(1), 318(2) और सिटी पुलिस एक्ट की धारा 21(जीजी) के तहत मामला दर्ज किया। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने क्रिकेट प्रेमियों से अपील की है कि वे टिकट केवल अधिकृत माध्यमों से खरीदें और संदिग्ध व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम ऑफर से बचें। 'नॉट फॉर सेल' अंकित मुफ्त टिकटों की खरीद-बिक्री नियमों का उल्लंघन है। संदिग्ध कालाबाजारी की सूचना नजदीकी थाने में दें। जांच जारी है।

हैदराबाद में लघु उद्योग भारती का चौथा एमएसएमई साउथ इंडिया समिट-2026 सफलतापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लघु उद्योग भारती (एलयूबी), तेलंगाना के तत्वावधान में चौथे एमएसएमई साउथ इंडिया समिट-2026 का आयोजन बंजारा हिल्स स्थित ताज डेक्कन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 'विकसित भारत के लिए एमएसएमई' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 1,060 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें तेलंगाना से करीब 1,000 तथा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक से लगभग 60 प्रतिनिधि शामिल रहे। सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी मामलों के मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने किया। दोपहर भोजन के बाद आयोजित सत्र में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी शामिल हुए।

इस सम्मेलन में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों,



एमएसएमई उद्यमियों, बैंकिंग क्षेत्र के प्रतिनिधियों तथा वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय महामंत्री ओम प्रकाश गुप्ता भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में हरित वित्तपोषण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कारोबार विस्तार तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण लघु उद्योग भारती के तीन महत्वपूर्ण ऐप का शुभारंभ रहा। एलयूबी संपर्क ऐप का शुभारंभ मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने किया। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक राम मोहन राव अमरा ने पीएफ गार्जियन ऐप का शुभारंभ किया, जबकि लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र ने एटीपीएल-मैशन ऐप का लोकार्पण किया। उद्घाटन समारोह के दौरान आगामी राष्ट्रीय फूड कॉन्क्लेव 'भारत फूड एंड एग्री 2047' के ब्रोशर का भी आधिकारिक विमोचन किया गया।

केयर डिग्री कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया बतुकम्मा उत्सव



निजामाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केयर डिग्री कॉलेज में बतुकम्मा उत्सव के चौथे दिन छात्र-छात्राओं एवं महिला शिक्षकों ने पारंपरिक गीतों और खेलों के साथ उत्सव मनाया। इस अवसर पर महिला शिक्षकों ने कहा कि फूलों को देवी का स्वरूप मानकर उनकी पूजा करना और उत्सव मनाना एक महान आध्यात्मिक परंपरा है। कार्यक्रम में महिला शिक्षिकाएं अनुराधा, सुनीतारानी, मौनिका, गंगामणि, श्रीविद्या, श्रीलता, अरुणा सहित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए दो वैकल्पिक मार्गों का प्रस्ताव

हूबल्ली, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क मजबूत करने के उद्देश्य से दक्षिण पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य महेंद्र एच. सिंधी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे के महाप्रबंधक पी. अनंत से मुलाकात कर बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के संचालन के लिए दो वैकल्पिक मार्गों का प्रस्ताव सौंपा। प्रस्ताव के अनुसार, ट्रेन का संचालन सप्ताह में छह दिन किया जाए। इनमें तीन दिन बेंगलुरु-कलबुर्गी-वाड़ी-सोलापुर-पुणे-मुंबई मार्ग पर तथा तीन दिन बेंगलुरु-दावणगेरे-हूबल्ली-धारवाड़-बेलगावी-मिरज-सांगली-पुणे-मुंबई मार्ग पर ट्रेन चलाने का सुझाव दिया गया है। सिंधी ने कहा कि इन दोनों मार्गों से उत्तर-पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिमी कर्नाटक के यात्रियों को मुंबई, पुणे और महाराष्ट्र के अन्य प्रमुख शहरों तक बेहतर रेल सुविधा मिल सकती है। इससे व्यापारियों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और चिकित्सा संबंधी कार्यों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को लाभ मिलने के साथ क्षेत्रीय व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

जापन में रेलवे से दोनों मार्गों की दूरी, यात्री मांग, स्टेशनों पर ठहराव, समय-सारणी और परिचालन व्यवहार्यता का विस्तृत अध्ययन करने का आग्रह किया गया। महाप्रबंधक पी. अनंत ने प्रस्ताव के संबंध में रेलवे बोर्ड से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डीजीएम अनिल कुमार, पूर्व क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य महावीर लिंब, सेंटर चेयरमैन गौतम गोलेछा, कर्नाटक कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिस्ट्रिक्ट्स संघ के राज्य अध्यक्ष गिरीश सुन्कद तथा प्रवासी यात्री संघ कर्नाटक के राज्य कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तेलंगाना जागृति ने मनाया बतुकम्मा उत्सव

निजामाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति के तत्वावधान में जिला मुख्यालय स्थित पुराने कलेक्ट्रेट मैदान में बतुकम्मा उत्सव भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक गीतों और नृत्य के साथ उत्सव में भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

तेलंगाना जागृति की राज्य महिला अध्यक्ष मनुकोटा सनिता ने कहा कि बतुकम्मा उत्सव तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने जागृति की संस्थापक अध्यक्ष कविता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके निर्देशानुसार प्रतिवर्ष नवरात्रि के



दौरान उत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी महिलाओं की व्यापक भागीदारी से आयोजन को विशेष उत्साह मिला। बतुकम्मा उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में विर्यंकुड कविता के मामा राम किशन राव उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में उत्सव में भाग लेने वाली महिलाओं को विशेष पुरस्कार

प्रदान किए गए। इस अवसर पर तेलंगाना जागृति की राज्य महिला सचिव दुंदी स्वर्णलता, जिला अध्यक्ष अवंती कुमार, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण भारद्वाज, मोहिका रेड्डी, रेखा शोभा, सुनीता, रजनी, स्वर्ण चित्रा गौड़, मट्टू चौधरी सहित अन्य महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।



बदरीविशाल पद्मालाल पिती ट्रस्ट

राममनोहर लोहिया समता न्यास

अग्रवाल सेवा दल

f.agarwalsevadai@gmail.com

शिक्षा छात्रवृत्ति

डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 मेधावी (80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले) छात्रों को छात्रवृत्ति कुल सत्तर लाख रुपये 8000 से 27000 रुपये प्रति छात्र (पूर्व निर्धारित नियमानुसार)

आवेदन पत्र गुरुवार दि. 15 अक्टूबर 2026 से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर

ट्रस्ट के कार्यालय, सोमाजीगुडा (040-23311056) अथवा निम्न स्थानों से मध्याह्न 2.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं:

प्रदीप अग्रवाल सिकंदराबाद 9246504222	सुधीर गुप्ता मोजमजाही मार्केट 9550522277	सुरेंद्र गोयल नारायणगुडा 9866493222
कैलाश केडिया "श्याम कुंज" आदर्श नगर 9491002001	उर्मिला अग्रवाल बंजारा हिल्स 9866654403	दीपक गुप्ता नवीन एन्टरप्राइजेस तुरूप बाजार 9000003231

आवेदन पत्र केवल विद्यार्थी अथवा उनके अभिभावकों को पिछले वर्ष की अंक तालिका की मूल प्रति तथा आधार कार्ड देखने के बाद ही प्रदान किए जाएंगे !
परिवार का केवल एक ही छात्र आवेदन कर सकता है

आवेदन पत्र दिनांक 25 अक्टूबर 2026 तक जमा कराए जा सकते हैं !

अग्रवाल शिक्षा समिति, अविनाश कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बटुका ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, केशव मेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज, सेंट जोसेफ डिग्री एंड पीजी कॉलेज, तपस्या डिग्री कॉलेज तथा सरोजिनी नाथू वनिता डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आवेदन पत्र केवल ट्रस्ट के सोमाजीगुडा स्थित कार्यालय से ही जारी किये जाएंगे।

स्थान प्रदत्त :

बदरीविशाल पद्मालाल पिती ट्रस्ट

Padmaja Landmark, Somajiguda, Hyderabad. Ph. 040- 23311056

॥श्री गणेशाय नमः॥

॥श्री आई माताय नमः॥

॥श्री गौमाताय नमः॥

श्री आईजी गौशाला

के तत्वावधान में

माँ भगवती का तेरहवां विशाल जागरण

गौ सेवार्थ एक शाम गौमाता के नाम

बुधवार, दि. 14-10-2026 रात्रि 8-15 बजे से

स्थान : श्री आईजी गौशाला मल्काराम, बालाजीनगर (कापरा मंडल)

महाप्रसादी : रात्रि 7-15 बजे 11-30 बजे तक

महाप्रसादी के लाभार्थी : ओमरामजी बर्मा, हापुरामजी बर्मा, राजुरामजी बर्मा

रॉयल गोल्ड और रॉयल गोल्ड 85, पॉट मार्केट, सिकंदराबाद. फोन : 8970484865

गौ सम्मान अह्वान अभियान

सायं 5-00 बजे से 7-00 बजे तक

सभी गौभक्तों से निवेदन है कि सपरिवार पधार कर दान-पुण्य कर, गौ दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवें

गौशाला के बैंक अकाउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal. A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)

Youtube & Facebook Live : BRS RAJASTHANI MEDIA राठौड़ साऊंड, हैदराबाद

निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण

किशनलाल पंवार अध्यक्ष 9394778098	नारायणलाल आगतेवा उपाध्यक्ष 8919111103	हुवमाराम सानपुरा सचिव 9441118022	अर्जुनलाल बर्मा सह-सचिव 9246151094
मोतीलाल काग कोषाध्यक्ष 9866340722			

लोकेशन : श्री आईजी गौशाला आने का रास्ता : बालाजीनगर से डेन्टल हॉस्पिटल रोड, ई.सी.आई.एल. से बंडलागुडा, बंडलागुडा से राईट साईड गौशाला

Scan to Pay

Scan for Location